प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं0 27/2017)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 07 अप्रैल, 2017

तुरंत जारी करने हेतु **वेबसाइटः www.trai.gov.in**

"31 दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण ने 31 दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए **"भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"** जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 अक्टूबर, 2016 से 31 दिसंबर, 2016 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहॉ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण हेतु कृपया संपर्क करें –

श्रीमती विनोद कोतवाल,
सलाहकार (एफएण्डईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110 002
फोन–011–2323 0752
फैक्स–011–232 36650
ई–मेल : advfea1@trai.gov.in

जारी करने के लिए प्राधिकृत

(विनोद कोतवाल)
सलाहकार (एफएण्डईए)

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
अक्टूबर से दिसंबर, 2016

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2016 के अंत में 1,074.24 मिलियन से बढ़कर दिसंबर, 2016 के अंत में 1,151.78 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 7.22 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर 11.13 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। देश में 30 सितंबर, 2016 को समग्र दूरसंचार घनत्व 84.09 से बढ़कर 31 दिसंबर, 2016 को 89.90 हो गया।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

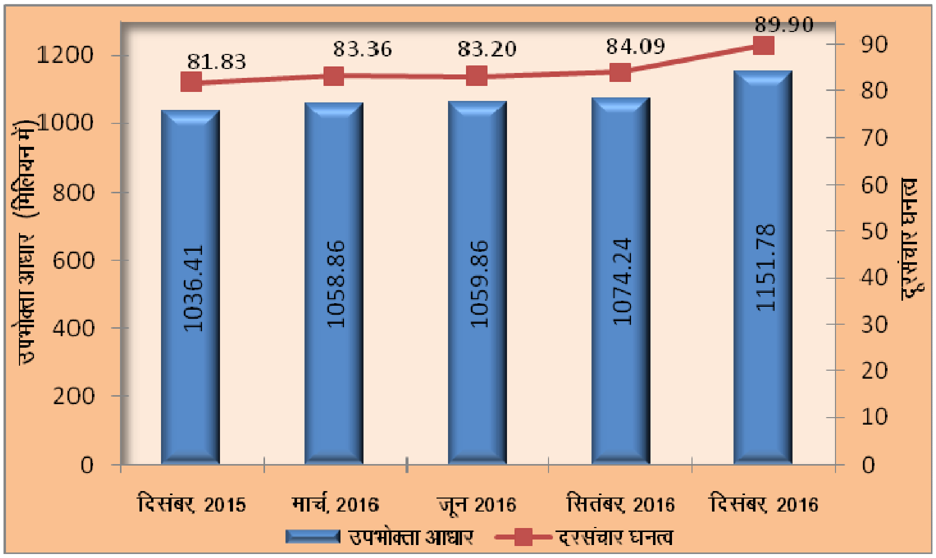

2. सितंबर, 2016 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 624.38 मिलियन से बढ़कर दिसंबर, 2016 के अंत में 683.14 मिलियन हो गया तथा इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 156.24 से बढ़कर 170.15 हो गया। ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 449.86 मिलियन से बढ़कर 468.64 मिलियन हो गया तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी इसी अवधि के दौरान 51.24 से बढ़कर 53.27 हो गया।

3. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी सितंबर, 2016 के अंत तक 41.88 प्रतिशत से घटकर दिसंबर, 2016 के अंत तक 40.69 प्रतिशत हो गई।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

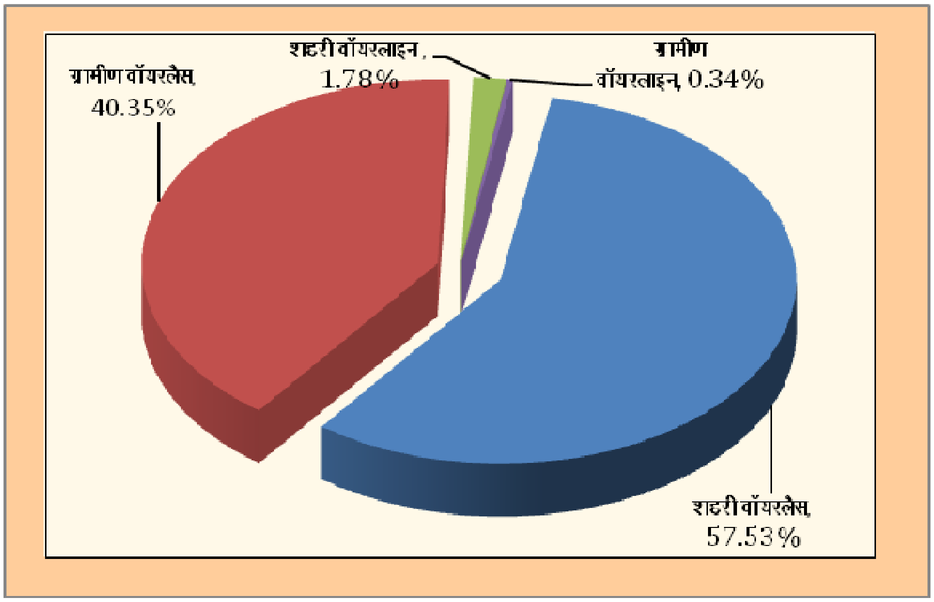

4. इस तिमाही के दौरान 77.63 मिलियन निवल नए उपभोक्ताओं के जुड़ने के साथ ही सितंबर, 2016 के अंत तक कुल वॉयरलैस (जीएसएम+सीडीएमए) उपभोक्ताओं का आधार 1,049.74 मिलियन से बढ़कर दिसंबर, 2016 के अंत तक 1,127.37 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 7.40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। दिसंबर, 2016 के लिये वॉयरलैस उपभोक्ताओं की वार्षिक वृद्धि दर 11.52 प्रतिशत रही।

5. वायरलैस दूरसंचार घनत्व सितंबर, 2016 के अंत में 82.17 से बढ़कर दिसंबर, 2016 के अंत में 88.00 हो गया।

6. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2016 के अंत में 24.49 मिलियन से और अधिक घटकर दिसंबर, 2016 के अंत में 24.40 मिलियन हो गया तथा इसमें 0.37 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। दिसंबर, 2016 के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 4.37 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

7. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व सितंबर, 2016 के अंत में 1.92 से और घटकर दिसंबर, 2016 के अंत में 1.90 रह गया।

8. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या सितंबर, 2016 के अंत में 367.48 मिलियन से बढ़कर दिसंबर, 2016 के अंत में 391.50 मिलियन हो गई जिसमें 6.54 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। 391.50 मिलियन में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 21.51 मिलियन तथा वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 370.00 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

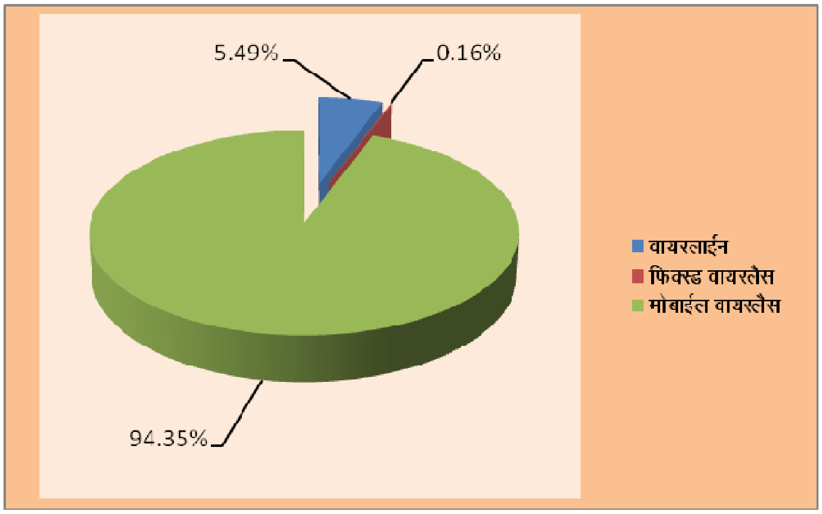

9. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2016 के अंत में 192.30 मिलियन से बढ़कर दिसंबर, 2016 के अंत में 236.09 मिलियन हो गई जिसमें 22.77 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

10. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या सितंबर, 2016 के अंत में 175.18 मिलियन से घटकर दिसंबर, 2016 के अंत में 155.41 मिलियन रह गई जिसमें 11.29 प्रतिशत की तिमाही कमी दर दर्ज की गई।

11. जीएसएम सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 14.10 प्रतिशत तिमाही ह्रास के साथ सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के 116 रुपए से घटकर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 104 रुपए हो गया। जबकि जीएसएम सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इस तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 15.32 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

12. जीएसएम सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 103 रुपए से घटकर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 86 रुपए हो गया तथा प्रतिमाह पोस्ट–पेड

एआरपीयू सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 485 रुपए से घटकर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 456 रुपए हो गया।

13. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 366 से घटकर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 360 हो गया।

14. जीएसएम प्रीपेड सेवा के लिए एमओयू प्रति उपभोक्ता सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 339 से घटकर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 335 हो गया तथा पोस्ट–पेड एमओयू सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 885 से घटकर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 849 हो गया।

15. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 154.05 रुपए से घटकर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए 141.42 रुपए हो गई। सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इस तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 36.86 प्रतिशत की दर से बढ़ गया।

16. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी हेतु कुल एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह में 4.99 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई अर्थात् सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 269 से घटकर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 255 हो गया। सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) एमओयू 145 से घटकर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 139 हो गया जबकि अंतर्गामी (इनकमिंग) एमओयू सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 124 से बढ़कर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 127 हो गया।

17. दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 66,532 करोड़ रुपए तथा 45,905 करोड़ रुपए रहा। दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 6.79 प्रतिशत की तथा एजीआर में 9.17 प्रतिशत की कमी दर दर्ज की गई।

18. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 1.81 प्रतिशत तथा –0.39 प्रतिशत दर्ज की गई।

19. दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार सितंबर तिमाही में 20,839 करोड़ रुपए से घटकर 20,627 करोड़ रुपए हो गया। दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही तथा वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः –1.01 प्रतिशत तथा 7.10 प्रतिशत रही।

20. सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 4,090 करोड़ रुपए से घटकर दिसंबर, 2016 में 3,698 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः –9.62 तथा 0.20 प्रतिशत रही।

21. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 81.22 प्रतिशत का योगदान दिया। दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क तथा स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) में क्रमशः 8.09 प्रतिशत, 10.55 प्रतिशत, 10.92 प्रतिशत तथा 12.29 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई जबकि पास–थ्रू प्रभारों में 0.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

22. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) सितंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 131.10 रुपए से घटकर दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही में 111.63 रुपए हो गया।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

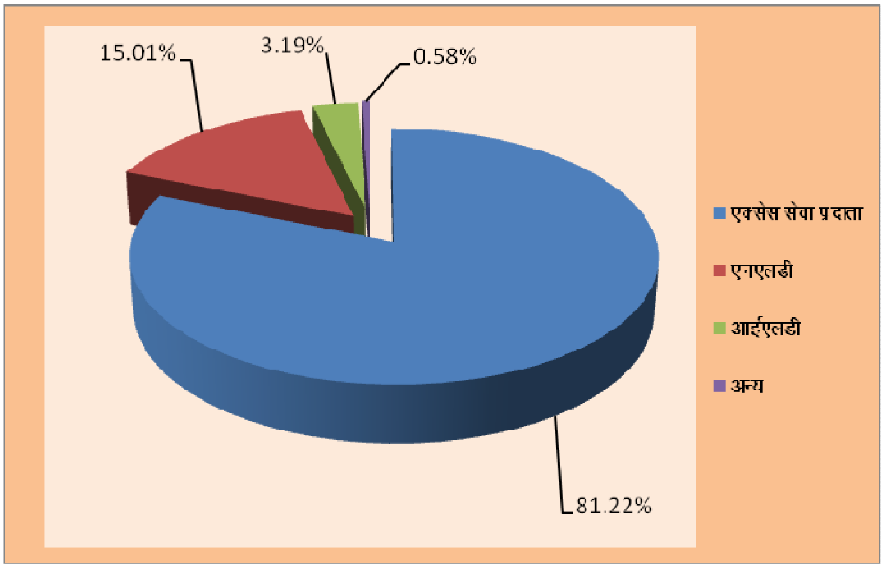

23. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में 2जी वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया हैः–

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल कंजेशन • टीसीएच कंजेशन • 3 प्रतिशत टीसीएच ड्रॉप (कॉल ड्रॉप) दर से अधिक, सर्वाधिक प्रभावित सेल • अच्छी आवाज की गुणवत्ता के साथ कनेक्शन • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –प्रीपेड • बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान (चार सप्ताह के भीतर 98 प्रतिशत) • बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान (छह सप्ताह के भीतर शत प्रतिशत) • कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत	• डॉऊनटाईम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीटीएस • प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्सन (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) • 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत • खाता बंद करने के पश्चात् निक्षेपों के प्रतिदाय में लिया गया समय

24. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में 3जी वायरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया हैः

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• बीटीएस तथा नोड–बी एक्युमुलेटेड डॉऊनटाईम (सेवा के लिए उपलब्ध नहीं) • 3 प्रतिशत टीसीएच ड्रॉप (कॉल ड्रॉप) दर से अधिक, सर्वाधिक प्रभावित सेल तथा सर्किट स्वीच्ड वॉयस ड्रॉप दरः– (सीबीबीएच)	• प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्शन (पी ओ आई) कंजेशन

25. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• दोष की घटनायें (प्रति महिना प्रति 100 उपभोक्ताओं पर दोषों की संख्या) • शहरी क्षेत्रों में अगले कार्य दिवस तक दोष सुधार • ग्राहकों के सहायता हेतु जवाबी समय – कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • 90 सैकिण्ड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस–टू–वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत	• पांच दिनों के अंदर मीन टाईम फॉल्ट सुधार (शहरी क्षेत्रों के लिए) • मीन टाईम टू रिपेयर्ड (एमटीटीआर) • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • 7 दिनों के भीतर 100 प्रतिशत सेवा को समाप्त/बंद किया जाना

26. दिनांक 31.12.2016 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केबल अपलिकिंग/डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग के लिये 899 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

27. 47 प्रसारकों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 30 सितंबर, 2016 की स्थिति के अनुसार 281 पे–चैनलों के मुकाबले 31 दिसंबर, 2016 की स्थिति के अनुसार कुल 287 पे–चैनल थे। इन 287 पे–चैनलों में 208 एसडी पे–चैनल एवं 79 एचडी पे–चैनल शामिल है। दिसंबर, 2016 को समाप्त तिमाही के दौरान छह नए पे–चैनलों को आरंभ किया गया। इस दौरान कोई भी पे–चैनल को न तो फ्री टू एयर चैनल में परिवर्तित किया गया और न ही बंद कर दिया गया।

28. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। डीटीएच के पंजीकृत उपभोक्तओं की संख्या लगभग 97.05 मिलियिन पहुॅच गया है जिसमें 62.65 मिलियन सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या शामिल है। दिसंबर, 2016 के अंत तक इस उपभोक्ताओं की संख्या 6 पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं के द्वारा प्राप्त की गई है। यह संख्या दूरदर्शन के डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं के अलावा है।

29. ऑल इंडिया रेडियो, प्रसार भारती–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा दिनांक 30 सितंबर, 2016 की स्थिति के अनुसार 260 निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की तुलना में दिनांक 31 दिसंबर, 2016 की स्थिति के अनुसार कुल 273 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे हैं। अंतर्विष्ट जानकारी सूचना और प्रसारण मंत्रालय के वेबसाईट पर दी गई सूचना के आधार पर प्रदान की गई है।

33. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 31 दिसंबर, 2016 को अब तक जारी किये गये 255 सामुदायिक रेडियो लाइसेंसों में से 201 स्टेशन ही चल रहे हैं।

मुख्य बातें

31 दिसंबर, 2016 की स्थिति के अनुसार डॉटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलैस+वॉयरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,151.78 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	7.22 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	683.14 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	468.64 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.79 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.21 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	89.90
शहरी दूरसंचार घनत्व	170.15
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	53.27
वॉयरलैस उपभोक्ता	
कुल वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या	1,127.37 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	7.70 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	662.60 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	464.78 मिलियन
जीएसएम उपभोक्ताओं की संख्या	1,112.30 मिलियन
सीडीएमए उपभोक्ताओं की संख्या	15.07 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	91.09 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	8.91 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	88.00
शहरी दूरसंचार घनत्व	165.04
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	52.84
वॉयरलाइन उपभोक्ता	
कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	24.40 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.37 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	20.55 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3.86 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	29.46 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	70.54 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.90
शहरी दूरसंचार घनत्व	5.12
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.44
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	2,36,163
पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ)	4,91,190

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	66,532 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-6.79 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	45,905 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-9.17 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	10.46 प्रतिशत
एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू)	112 रुपए
इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	391.50 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	6.54 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	155.41 मिलियन
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	236.09 मिलियन
वॉयरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	21.51 मिलियन
वॉयरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	370.00 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	276.44 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	115.06 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	30.56
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	68.86
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	13.08
प्रसारण और केबल सेवाएं	
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	899
पे–टीवी चैनलों की संख्या	287
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या	273
पंजीकृत डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या	97.05 मिलियन
एक्टिव डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या	62.65 मिलियन
लाईसेंस प्राप्त कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	255
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	201
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	6
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	104 रुपए
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	141 रुपए
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट	360 मिनट
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट	255 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट	251 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग	
जीएसएम हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	884.29 एमबी
सीडीएमए हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	503.41 एमबी
प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग–कुल (जीएसएम+सीडीएमए)	878.63 एमबी
जीएसएम सेवा के लिए प्रति एमबी बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) डाटा का मूल्य	0.16 रुपए
सीडीएमए सेवा के लिए प्रति एमबी बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) डाटा का मूल्य	0.12 रुपए